



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

10/1/99

सं. 2] नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 9, 1999 (पौष 19, 1920)
No. 2] NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 9, 1999 (PAUSA 19, 1920)

(इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके)
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय-सूची

भाग I--खण्ड 1--(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालयों द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं	पृष्ठ 11	भाग II--खण्ड 3--उपखण्ड (iii)--भारत सरकार के मंत्रालयों (जिनमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शामिल नहीं के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वल्प की उपविधियां भी शामिल हैं) के तहत प्राधिकृत पाठ (ऐसे शब्दों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं)	पृष्ठ 1
भाग I--खण्ड 2--(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालयों द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के संबंध में अधिसूचनाएं	13	भाग II--खण्ड 4--रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश	*
भाग I--खण्ड 3--रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांविधिक आदेशों के संबंध में अधिसूचनाएं	1	भाग III--खण्ड 1--उच्च न्यायालयों, न्यायिक और महामहोदय परीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार में संबद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	15
भाग I--खण्ड 4--रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के संबंध में अधिसूचनाएं	25	भाग III--खण्ड 2--रैंड कार्यालय द्वारा जारी की गई वेबस्टो और विज्ञापनों से संबंधित अधिसूचनाएं और नोटिस	61
भाग II--खण्ड 1--प्रविधियम, अध्यादेश और विनियम	*	भाग III--खण्ड 3--मुख्य व्यक्तियों के अधिकार के अधीन शपथ द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	—
भाग II--खण्ड 1क--प्रविधियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ	*	भाग III--खण्ड 4--विधितर अधिसूचनाएं जिनमें सांविधिक विधायों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं	15
भाग I--खण्ड 2--विधितर नियमों पर प्रवर समितियों के विवेक तथा रिपोर्ट	*	भाग IV--नैर सरकारी व्यक्तियों और नैर-सरकारी निकायों द्वारा जारी किए गए विज्ञापन और नोटिस	5
भाग II--खण्ड 3--उपखण्ड (i) भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शामिल नहीं के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वल्प के आदेश और उपविधियां शामिल हो शामिल हैं)	*	भाग V--प्रार्थी और विधायकों के द्वारा जारी किए गए विज्ञापनों को बनाने वाला प्रमूक	*
भाग II--खण्ड 3--उपखण्ड (ii) भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शामिल नहीं के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेशों और अधिसूचनाएं	*		

*अंकित प्रारंभ नहीं हुए

CONTENTS

	PAGE		PAGE
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	11	PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by General Authorities (other than Administration of Union Territories)	*
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	13	PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence	*
PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence	1	PART III—SECTION 1—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India	15
PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence	25	PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs	61
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations	*	PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	*
PART II—SECTION 1-A—Authoritative texts in Hindi languages of Acts, Ordinances and Regulations	*	PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements, and Notices issued by Statutory Bodies	15
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills	*	PART 7—Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies	5
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (i)—General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws, etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*	PART V—Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi	*
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*		

भाग I—खण्ड 1
[PART I—SECTION 1]

(रक्ष मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएँ

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय
(कम्पनी कार्य विभाग)

नई दिल्ली-1, दिनांक 18 दिसम्बर 1998

सं. क-42011/9/97-प्रसा.-2—कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 209-क की उपधारा (1) के खण्ड (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा कम्पनी कार्य विभाग के श्री सी. एस. गोविन्दराजन, सहायक निरीक्षण अधिकारी को उक्त धारा 209-क के प्रयोजन के लिए प्राधिकृत करती है।

डी. पी. सैनी
अवर सचिव

सं. क-42011/9/97-प्रसा.-2—कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 209-क की उपधारा (1) के खण्ड (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा कम्पनी कार्य विभाग के श्री अरविन्द गुक्ला, सहायक निरीक्षण अधिकारी को उक्त धारा 209-क के प्रयोजन के लिए प्राधिकृत करती है।

डी. पी. सैनी
अवर सचिव

सं. क-42011/9/97-प्रसा.-2—कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 209-क की उपधारा (1) के खण्ड (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा कम्पनी कार्य विभाग के श्री ई. गान्धिराज, निरीक्षण अधिकारी को उक्त धारा 209-क के प्रयोजन के लिए प्राधिकृत करती है।

डी. पी. सैनी
अवर सचिव

कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय
(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 1998

आशुलिपिक ग्रंथ "ग" की भर्ती, 1996

नियम

सं. 10/2/97-के. से.-2—कर्मचारी चयन आयोग द्वारा 1998 में आयोजित की जाने वाली निम्नलिखित सेवाओं/पदों की अस्थायी रिक्तियों में आशुलिपिक ग्रंथ "ग" की भर्ती 1996 के नियम आम जानकारी के लिए प्रकाशित किए जाते हैं :—

- (1) भारतीय विदेश सेवा (ख)-(आशुलिपि-संवर्ग का ग्रंथ-2)
- (2) रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा ग्रंथ-ग (उक्त ग्रंथ की चयन सूची में सम्मिलित करने हेतु)
- (3) केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा ग्रंथ-ग
- (4) सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा ग्रंथ-(ग) और
- (5) भारत सरकार के कुछ अन्य विभाग/संगठनों तथा संबद्ध कार्यालयों में आशुलिपिक के पद जो भारतीय विदेश सेवा-(ख)/रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा/केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा/सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा में सम्मिलित नहीं हैं।

1. उपर्युक्त सेवाओं/पदों में से किसी एक या एक से अधिक सेवा संबंधित परीक्षा में प्रवेश के लिए कोई भी उम्मीदवार आवेदन कर सकता है। वह इनमें से जितनी सेवाओं/पदों के लिए विचार किए जाने का इच्छुक है उनका उल्लेख अपने आवेदन पत्र में कर सकता है।

टिप्पणी : 1: उम्मीदवारों को चाहिए कि वे जिन सेवाओं/पदों के लिए विचार किए जाने के इच्छुक हों उनका वरीयता क्रम स्पष्ट रूप से लिख दें।

उम्मीदवारों द्वारा निविष्ट उन सेवाओं/पदों के वरीयता क्रम में परिवर्तन के संबंध में किसी अनुरोध पर तब तक विचार नहीं किया जाएगा जब तक ऐसा अनुरोध रोजगार समाचार में

लिखित परीक्षा परीणामों के प्रकाशन की तारीख से 30 दिन के अन्दर कर्मचारी चयन आयोग के कार्यालय में प्राप्त नहीं हो जाता।

टिप्पणी :2: इस परीक्षा के माध्यम से भर्ती करने वाले कुछ विभागों/कार्यालयों को केवल अंग्रेजी आशुलिपिकों की ही आवश्यकता होगी और इस परीक्षा के परीणामों के आधार पर नियुक्ति केवल उन्हीं उम्मीदवारों में से की जाएगी जिन्हें लिखित परीक्षा तथा अंग्रेजी के आशुलिपिक परीक्षण के आधार पर आयोग द्वारा अनुशंसित किया जाता है (दृष्टव्य: नियमावली के परिशिष्ट-1 का पैरा 4)।

2. इस भर्ती के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियाँ बाद में निरुद्ध की जाएंगी। अनुसूचित जातियाँ, अनुसूचित जनजातियाँ तथा अन्य पिछड़ी जातियों के उम्मीदवारों को आरक्षण उपायवत पैरा-1 में उल्लिखित विभिन्न संघातों/पदों में सूचित रिक्तियों की संख्या के अनुसार दिया जाएगा।

3. कर्मचारी चयन आयोग द्वारा यह परीक्षा इन नियमों के परिशिष्ट-1 में निर्धारित ढंग से ली जाएगी।

4. परीक्षा की तारीख और स्थान आयोग द्वारा निर्धारित किए जाएंगे।

(1) उम्मीदवार को या तो :—

(क) भारत का नागरिक होना चाहिए या

(ख) नेपाल की प्रजा या

(ग) भूटान की प्रजा या

(घ) ऐसा निरन्तर निवासी जो भारत में स्थायी रूप से रहने के इरादे से पहली जनवरी, 1962 से पहले भारत आ गया हो, या

(ङ) कोई भारत मूल का व्यक्ति जो भारत में स्थायी रूप से रहने के इरादे से बर्मा और श्रीलंका से आया हो।

परन्तु (ख), (ग), (घ) और (ङ) वर्गों के अंतर्गत आने वाले उम्मीदवार के पास भारत सरकार द्वारा जारी किया गया पात्रता (एलिजिबिलिटी) प्रमाण पत्र होना चाहिए।

परन्तु यह शर्त और कि उपर्युक्त (ख), (ग) और (घ) के वर्गों के उम्मीदवार भारतीय विदेश सेवा (ख)-आशुलिपिक संवर्ग का ग्रेड-(2) में नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होंगे।

(2) परीक्षा में ऐसे उम्मीदवार को भी जिसके लिए पात्रता प्रमाण पत्र आवश्यक हो, परीक्षा में बैठने दिया जा सकता है परन्तु उसे नियुक्ति प्रस्ताव भारत सरकार द्वारा आवश्यक प्रमाण पत्र दिए जाने पर ही दिया जाएगा।

5. (क) इस परीक्षा में प्रवेश के लिए यह आवश्यक है कि उम्मीदवार की आयु 1 जनवरी, 1996 को पूरे 18 वर्ष की हो गई हो किन्तु उसको आयु पूरे 25 वर्ष न हुई हो, अर्थात् उसका जन्म 2 जनवरी, 1971 से पहले और 1 जनवरी, 1978 के बाद का न हो।

टिप्पणी :—उम्मीदवार ध्यान दें कि आयोग द्वारा आवेदन पत्र जमा करने की तारीख को दसवीं/नवंबर परीक्षा प्रमाण पत्र अथवा समतुल्य प्रमाण पत्र में दर्ज जन्म तिथि ही स्वीकार की जाएगी और इसके बाद परिवर्तन के लिए किसी अनुरोध पर विचार अथवा उसे स्वीकार नहीं किया जाएगा।

(ख) उन व्यक्तियों के संबंध में ऊपरी आयु सीमा में 35 वर्ष का आयु तक छूट दी जा सकती है जो संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासकों अथवा निवाचन आयोग, केन्द्रीय सतकता आयोग और लोक सभा/राज्य सभा सचिवालय के अधीन व्यक्तियों सहित, भारत सरकार के विभिन्न विभागों/कार्यालयों में आशुलिपिक (जिनमें भाषा आशुलिपिक/लिपिक/आशुट कको भी शामिल है) के पदों पर नियमित रूप से नियुक्त हैं और 1 जनवरी, 1996 को जिन्होंने आशुलिपिक (भाषा आशुलिपिक/लिपिक/आशुट कका सहित) के रूप में कम से कम तीन वर्ष निरन्तर सेवा का हो तथा उक्त पदों पर अभी तक काम कर रहे हों।

परन्तु उपर्युक्त आयु संबंधी छूट उन व्यक्तियों को नहीं दी जाएगी जो संघ लोक सेवा आयोग और कर्मचारी चयन आयोग द्वारा पहले ली गई परीक्षाओं के आधार पर निम्नलिखित में से किसी में आशुलिपिकों के रूप में नियुक्त किए जा चुके हैं :—

(1) केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा ग्रेड-ग, या

(2) रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा ग्रेड-ग, या

(3) भारतीय विदेश सेवा (ख) आशुलिपिक संवर्ग का ग्रेड-2, या

(4) सहायक लेखा मूख्यालय आशुलिपिक सेवा (ग्रेड-ग)।

टिप्पणी :1: डाक व तार विभाग के अधीनस्थ कार्यालयों में नियुक्त रेल डाक छटाईकारों द्वारा की गई सेवा उपर्युक्त नियम-5 (ख) के प्रयोजन के लिए लिपिक के ग्रेड में ही गई सेवा मानी जाएगी।

टिप्पणी :2: रक्षा प्रतियोगियों में नियुक्त सेवा लिपिकों द्वारा की गई सेवा उपर्युक्त नियम 5 (ख) के प्रयोजन के लिए नहीं गिनी जाएगी।

(ग) ऊपर बताई गई अधिकतम आयु-सीमा में निम्नलिखित मामलों में और ढील दी जा सकती है :—

(1) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो तो अधिक से अधिक 5 वर्ष तक।

- (2) यदि अभ्यर्थी कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग के दिनांक 25-1-95 के कार्यालय आपन सं. 43013/2/95-स्था. (एस. सी. टी.) के अनुसार अन्य पिछड़े वर्ग से संबंधित है तो उसे आयु में अधिकतम 3 वर्ष तक ।
- (3) किसी दूसरे देश के साथ संघर्ष में या किसी अस्थिर-प्रस्थ क्षेत्र में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग होने के फलस्वरूप सेवा से मुक्त किए गए रक्षा कार्मिकों को अधिक से अधिक तीन वर्ष तक (अनु. जाति/अनु. जनजाति के उम्मीदवारों के लिए 8 वर्ष तथा अन्य पिछड़े वर्गों के लिए 6 वर्ष तक) ।
- (4) जिन भूतपूर्व सैनिकों और कमीशन प्राप्त अधिकारियों (आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/एस. एस. आ./अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) ने पहली जनवरी, 1996 को कम से कम पांच वर्ष अनु. जाति तथा अनु. ज. जाति के उम्मीदवारों के लिए 10 वर्ष और अन्य पिछड़े वर्गों के लिए 8 वर्ष तक) की सेवा की है और जिन्हें (1) सेवा पूरी होने पर जिनमें वे अधिकारी शामिल हैं जिनको सेवा (अंतिम तारीख अर्थात् 10-4-98) से एक वर्ष के भीतर पूरी होने वाली है अथवा अन्यथा जो कदाचार या अक्षता या अक्षमता के आधार पर या (2) सैनिक सेवा से हुई शारीरिक अपंगता अथवा (4)–(3) अक्षमता के कारण कार्यमुक्त न होकर अन्य कारणों से बर्खास्त अथवा कार्यमुक्त हुए हैं उनके मामले में अधिक से अधिक पांच वर्ष तक ।
- (5) आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त उन अधिकारियों के मामले में जिन्होंने पहली जनवरी, 1996 को सैनिक सेवा के 5 वर्ष की सेवा (अनु. जाति/अनु. जनजाति के उम्मीदवारों के लिए 10 वर्ष, अन्य पिछड़ी जाति के लिए 8 वर्ष की प्रारम्भिक अवधि पूरी कर ली है और जिनका कार्यकाल 5 वर्ष से आगे भी बढ़ाया गया है । तथा जिनके मामले में रक्षा मंत्रालय एक प्रमाण पत्र जारी करता है कि वे स्थिर रोजगार के लिए आवेदन कर सकते हैं और चयन होने पर नियुक्ति प्रस्ताव प्राप्त होने की तारीख से तीन माह के नोटिस पर उन्हें कार्यभार से मुक्त किया जाएगा ।
- (6) कार्मिक तथा प्रशिक्षण विभाग के कार्यालय आपन संख्या 15012/11/90—स्था. (घ) दिनांक 22-11-91 के अनुसार ऐसे उम्मीदवारों के लिए अधिकतम 3 वर्ष (अनु. जाति/अनु. जनजाति के लिए 8 वर्ष तथा अन्य पिछड़ी जाति के लिए 6 वर्ष, जो

कुर्बत या इराक से भारतीय मूल के वास्तविक प्रत्या-वर्तित व्यक्ति हैं और जिन्होंने 15 मई, 1990 के बाब परन्तु 22-11-91 से पहले भारत में गन्ता-वर्तन किया है ।

- (7) जम्मू एवं कश्मीर राज्य के उन अभ्यर्थियों को जो 1-1-1980 से 31-12-1989 की अवधि के दौरान जम्मू और कश्मीर में सामान्य रूप से अज्ञात रहे हैं के मामले में अधिकतम 5 वर्ष 1 उपरलिखित छूट प्राप्त करने का इच्छुक कोई भी व्यक्ति राज्य के किसी जिला मजिस्ट्रेट जिसके अधिकार क्षेत्र में अभ्यर्थी सामान्यतः निवासी रहा है, से प्राप्त प्रमाण पत्र अथवा किसी ऐसे प्राधिकारी जिससे जम्मू और कश्मीर सरकार की ओर से इसका अधिकार विद्यमान है से इस आशय का प्रमाण पत्र कि 1-1-80 से 31-12-1989 की अवधि के दौरान अभ्यर्थी जम्मू और कश्मीर राज्य का अधिकारी रहा है ।

टिप्पणी : 1—भूतपूर्व सैनिक, जो भूतपूर्व सैनिकों को पुनर्निर्भोजन के लिए दी जाने वाली सुविधाएं प्राप्त करके पहले से ही केन्द्रीय सरकार के अधीन समूह-ग/समूह ब स्थिर पद पर नियमित आधार पर कार्यरत हैं वे भी उपर्युक्त नियमावली के नियम 5 (ग) 4 और 5 (ग) (5) के अधीन आयु सीमा तथा फीस में छूट पाने के पात्र हैं परन्तु वे पदों पर आरक्षण के लिए पात्र नहीं होंगे ।

टिप्पणी : 2—आयु सीमा में छूट संबंधी सुविधाएं प्राप्त करने के प्रयोजन के लिए सेवा की तीन सशस्त्र सेवाओं के किसी सैनिक को भूतपूर्व सैनिक माने जाने के लिए उसे किसी पद/सेवा के लिए अपना आवेदन प्रस्तुत करने के समय भूतपूर्व सैनिक का पहले ही स्तर अर्जित कर लिया जाना चाहिए और/अथवा वह सक्षम प्राधिकारी से वस्तावेजी सहायता द्वारा अपनी इस आशय की पात्रता को सुस्थापित करने की स्थिति में हो कि एक वर्ष के भीतर अपनी निर्दिष्ट की गिरिष्ठ अवधि पूरी हो जाने पर उसे सशस्त्र सेनाओं में अपनी नियुक्ति पूरी होने पर अंतिम तारीख (अर्थात् 10-4-98) से कार्यमुक्त कर दिया जाए । इस संबंध में उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण पत्र का फार्म परिचयचन अनुबन्ध-1 तथा 2 में दिया जाता है ।

उपपर दी गई व्यवस्था को छोड़ कर निर्धारित आयु-सीमा में किसी भी हालत में छूट नहीं दी जा सकती ।

- (1) ऐसा आशुलिपिक (भाषा आशुलिपिक सहित/लिपिक/आशुटंकक जो सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से संवर्ग बाह्य पदों पर प्रतिनियुक्ति पर है अथवा

किसी किसी अन्य पक्ष पर सम्माननीय कर दिया गया है परन्तु उसका धारणाधिकार उस पक्ष पर है जिसके वह स्थानाधिकार प्राप्त गया था यदि वह उम्मीदवार है तो परीक्षा में बैठने का पात्र होगा।

6. उम्मीदवारों में किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या विश्वविद्यालय की संसिद्ध या इसके समस्त या उसके अधिकतर परीक्षा 1-1-96 तक अर्हता प्राप्त की हो।

विषयणी :—कोई भी उम्मीदवार जिसमें ऐसी कोई परीक्षा दी गई है जिसके पास करने पर वह आयोग की परीक्षा के लिए शैक्षिक रूप से पात्र होगा परन्तु उसे परीक्षा फल की सूचना 1-1-96 तक नहीं मिली है तथा ऐसा उम्मीदवार जो ऐसी अर्हक परीक्षा में बैठने का इच्छुक है, आयोग की परीक्षा में प्रवेश पाने का पात्र नहीं होगा।

7. उन सभी उम्मीदवारों को पहले से सरकारी नौकरी में आजीवन या वैनिक प्रारम्भ कर्मचारी से इतर स्थायी या अस्थायी हितसिद्ध से या कार्य प्रभारित कर्मचारियों की हितसिद्ध से काम करने हों या जो लोक उद्यमों में संवारत हों तो वह परित्यक्त (अवस्थापित) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से अपने कार्यस्थल/विभाग से अवकाश को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए आवेदन किया है।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि यदि आयोग को उनके गिनतीका से उनके उक्त परीक्षा के लिए आवेदन करने/परीक्षा में बैठने के संबंध में अनुमति राकत हुए कोई पत्र मिलता है तो उनका आवेदन पत्र अस्वीकृत कर दिया जाएगा/उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी।

8. परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार की पात्रता या अपात्रता को बारे में आयोग का निर्णय अन्तिम होगा।

9. किसी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जाएगा जब तक कि उसके पास आयोग का प्रवेश प्रमाण पत्र (सर्टिफिकेट ऑफ एडमिशन) न हो।

10. उम्मीदवार को 25 रुपये का परीक्षा फीस देना होगा। (अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति, भूतपूर्व सैनिक व शारीरिक दिवंगत उम्मीदवारों के लिए कोई फीस नहीं है)।

11. जिस उम्मीदवार से :—

1. किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त किया है,

2. नाम बदल कर परीक्षा दी है, अथवा

3. किसी अन्य उम्मीदवार से उक्त रूप से कार्य प्राप्त कराया है, अथवा

4. जारी दस्तावेजों को एंथे दस्तावेज अशुद्ध किए हैं जिनमें उक्त नाम लिखा गया है, अथवा

5. रक्त या छूटे वक्कस दिए हैं या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छिपाया है, या

6. परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए किसी अन्य अनियमित अथवा अनुचित उपायों का सहारा लिया है, या

7. परीक्षा के समय अनुचित साधनों का प्रयोग किया है, अथवा

8. उत्तर पत्रिकाओं पर असंगत बातें लिखी हैं या अश्लील भाषा में या अशुद्ध वाक्य की हैं, या

9. परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का व्यवहार किया है, या

10. परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया है या अन्य किसी प्रकार की क्षारीयक क्षति पहुंचाई है, या

11. परीक्षा के दौरान परीक्षा भवन से प्रश्न पुस्तिकाओं/उत्तर शीट/आवृत्ति आलेख को ले जाता या अशुचित व्यवहार/व्यक्तियों को देता।

12. उम्मीदवारों को परीक्षा देने की अनुमति बसे हुए प्रेषित प्रवेश प्रमाण पत्र के साथ जारी किसी अनुबंध का उल्लंघन किया है, या

13. उपर्युक्त कण्डों में उल्लिखित सभी अथवा किसी भी कार्य को द्वारा आयोग को अप्रसन्न करने का प्रयत्न किया है/उल्लंघन पर आपराधिक अभियोग (क्रिमिनल प्रोसीक्यूशन) बनाया जा सकता है और उसके साथ ही जुर्माना—

(क) आयोग द्वारा उस परीक्षा में जिसका वह उम्मीदवार है, बैठने के लिए आवेदन ठहराया जा सकता है, अथवा

(ख) उसे अस्थायी रूप से अथवा एक विशेष अवधि के लिए (1) आयोग द्वारा दी जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा भवन के लिए, (2) केन्द्रीय सरकार द्वारा उसके अधीन किसी भी किस्म की नौकरी/सेवाएं

(ग) यदि वह सरकार के अधीन पहले से ही सेवा में है तो उसके विरुद्ध उपयुक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्यवाही की जा सकती है।

फिन्तु धर्त यह है कि इस नियमों के अधीन कोई शास्ति तब तक नहीं दी जाएगी जब तक :—

(1) उम्मीदवार को इस संबंध में लिखित अभ्यावेदन जो वह देना चाहें, प्रस्तुत करने का अवसर न दिया गया हो, और

(2) उम्मीदवार द्वारा अनुमत समय में प्रस्तुत अभ्यावेदन पर, यदि कोई हो, विचार न कर लिया गया हो।

12. परीक्षा के बाव आयोजन लिखित परीक्षा और आशुलिपि परीक्षा में उम्मीदवारों के कुल प्राप्तांकों के आधार पर हिन्दी और अंग्रेजी के आशुलिपिकों के लिए योग्यता क्रम के अनुसार उच्च-क्रम वाली पदों पर नियुक्त होगी और उस क्रम के अनुसार आयोग जितने भी उम्मीदवारों को अर्हता प्राप्त सम्मेलित, उनके नामों की लिस्ट और अंग्रेजी आशुलिपिकों की सूची में सम्मिलित करने के लिए और उस परीक्षा के परिणामों के आधार पर आयोगिक नियुक्तियों में पदों को भरने के लिए सिफारिश की जाएगी।

“आयोग द्वारा अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति या अन्य पिछड़े वर्गों के उम्मीदवारों की अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या तक, पदों से छूट देकर सिफारिश की जा सकेगी किन्तु शर्त यह है कि वे उम्मीदवार सेवा पर नियुक्ति के लिए उपयुक्त हों।”

एवं अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़े वर्गों के उम्मीदवारों की उनकी आयु में इस उप नियम में उल्लिखित सीमा में कम किया गया सिफारिश की है उनका सम्मेलन अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों तथा अन्य पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षित रिक्तियों में नहीं किया जाएगा।

परीक्षा के अन्तिम परिणाम की घोषणा के समय योग्यता क्रम में अयोग्यता के स्थान की दृष्टिगत रखते हुए उनके द्वारा दी गई गारण्टियाँ की गंभीरता विचाराधीन रखी जाएगी।

10. एक ही नियम की शर्त से प्रत्येक लेन के रहने पर करने वाले एतद्विषय में एतद्विषय के उम्मीदवार को कुल प्राप्तांकों के आधार पर उनके योग्यताक्रम के अनुसार रखा जाएगा।

12. आयोग परीक्षा परिणाम के अनुसार समाप्ति में होगा। अयोग परीक्षा परिणाम के नाम में अयोग्यता के कोई एक-द्वितीय नहीं करेगा।

14. परीक्षा में पास होने मात्र से नियुक्ति का अधिकार इन तक नहीं मिलता जब तक कि सरकार आवश्यक जाति के बात सम्मेलन नहीं हो जाए कि उम्मीदवार अरिष्ट तथा पर्यवृत्त की दृष्टि से सेवा में/पद पर नियुक्ति के लिए हर प्रकार से योग्य है।

15. जिस व्यक्ति ने—

- (क) अपने व्यक्ति से विवाह या विवाह अनुबंध किया है
- (ख) अपने व्यक्ति से विवाह या विवाह अनुबंध किया है जिसका जीवित पति/पत्नी पदों से है, या
- (ग) जीवित पति/पत्नी के रहते हुए किसी से विवाह या विवाह अनुबंध किया है।

तो वह नियुक्ति के लिए पात्र नहीं माना जाएगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से संतुष्ट हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति तथा विवाह सूत्र के दूसरे पक्ष पर लागू होने वाले वैधित्व कानून के अनुसार स्वीकार्य है और ऐसा करने के अन्य कारण भी हैं तो वह निती भी धारित करने का अधिकार रखेगा।

16. उम्मीदवार को मानसिक और शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होना चाहिए और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जो संबंधित सेवा/पद के अधिकारी के रूप में उच्च पद के वांछना पूर्वक निर्माण में बाधक हो। यदि सक्षम अधिकारी द्वारा विहित डाक्टर परीक्षा के बाद किसी उम्मीदवार के बारे में यह बात सूचित है कि वह इन शर्तों को पूरा नहीं कर सकता है तो उसकी नियुक्ति नहीं की जाएगी। केवल उन्हीं उम्मीदवारों की डाक्टर परीक्षा की जाएगी जिनकी नियुक्ति के संबंध में विचार किए जाने की संभावना है।

टिप्पणी :—भारत रक्षा सेवा के विकल्प कार्यकर्ता के संबंध में रक्षा सेवा के डिप्टी-वीलाइजेशन मीडियल ब्रिड्ज द्वारा दिया गया स्वस्थता प्रमाण पत्र नियुक्ति के लिए पर्याप्त समझा जाएगा।

17. इस परीक्षा के द्वारा जिस सेवा के लिए भर्ती की जा रही है उसका संक्षिप्त विवरण परिशिष्ट-1 में दिया गया है।

एस. के. जिनबल, अवर सचिव

परिशिष्ट-1

1. परीक्षा के विषय, प्रश्नोत्तर विषय के लिए दिया गया समय तथा एण्टिक इस प्रकार होंगे :—

भाग-क लिखित परीक्षा

प्रश्न पत्र	विषय	अधिकतम अंक	दिया गया समय
प्रश्न पत्र-1 :	सामान्य परीक्षा		
	(क) सामान्य अंग्रेजी (वस्तुपरक)		
	(ख) सामान्य ज्ञान (वस्तुपरक)	200	2 घंटे
प्रश्न पत्र-2 :	निबन्ध	100	2 घंटे

भाग-ख : हिन्दी या अंग्रेजी में आशुलिपि परीक्षा लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाले के लिए 300 अंक।

टिप्पणी : 1 : लिखित परीक्षा के प्रश्न पत्र-2 का मूल्य अंक नहीं उम्मीदवारों का किया जाएगा जिन्होंने प्रश्न पत्र-1 में न्यूनतम अर्हता अंक प्राप्त किए हैं। ये नियम आयोग द्वारा उच्च मंडली से निर्धारित किए जाएंगे।

टिप्पणी : 2 : उम्मीदवारों को अपने आशुलिपिक नोट टंकण मशीन पर लिप्यंतर करने होंगे और इस प्रयोजन के लिए उन्हें अपनी टंकण मशीन लानी होगी।

टिप्पणी : 3 : सामान्य अंग्रेजी और सामान्य ज्ञान के प्रश्न पत्रों में वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न होंगे।

3. लिखित परीक्षा के लिए पाठ्य विवरण तथा आशुलिपि परीक्षाओं की योजना इस परिशिष्ट की संलग्न अनुसूची के अनुसार होगी।

4. उम्मीदवार "निबन्ध" के प्रश्न पत्र (2) का उत्तर हिन्दी (देवनागरी लिपि) या अंग्रेजी में दे सकता है। यह विकल्प पूरे प्रश्न पत्र पर लागू होगा न कि उसके किसी भाग पर।

जिन उम्मीदवारों ने निबन्ध के प्रश्न पत्र का उत्तर देने के लिए हिन्दी देवनागरी का विकल्प दिया है यदि वह चाहें तो तकनीकी शब्दों को हिन्दी में लिखने के साथ उनका अंग्रेजी रूपान्तर कोष्ठकों में लिख दें।

जो उम्मीदवार उपर्युक्त प्रश्न पत्र के उत्तर हिन्दी (देवनागरी) में लिखने का विकल्प देंगे उन्हें आशुलिपि परीक्षा भी केवल (देवनागरी) में ही देने होगी और जो उम्मीदवार उपर्युक्त प्रश्न पत्र के उत्तर अंग्रेजी में लिखने का विकल्प देंगे उन्हें आशुलिपि परीक्षा भी केवल अंग्रेजी में ही देने होगी।

निबन्ध और सामान्य ज्ञान के प्रश्न पत्र (हिन्दी और अंग्रेजी) दोनों भाषाओं में तैयार किए जाएंगे।

टिप्पणी : 1 : जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में निबन्ध के (प्रश्न 2) का उत्तर आशुलिपिक परीक्षा हिन्दी (देवनागरी) में देने के इच्छुक हों तो वह विकल्प आवेदन पत्र में लिखें अन्यथा यह माना जाएगा कि उम्मीदवार लिखित परीक्षा तथा आशुलिपि परीक्षा अंग्रेजी में देंगे।

एक शाय दिया गया विकल्प अंतिम सम्मत्त जाएगा और उक्त काल में कोई परिवर्तन करने का अनुरोध स्वीकार नहीं किया जाएगा।

यदि उम्मीदवार ने आवेदन पत्र में लिखित माध्यम के अलावा अन्तर्माध्यम में परीक्षा दी है तो उसे उम्मीदवारों के प्रश्न पत्र (पत्रों) का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।

टिप्पणी : 2 : जो उम्मीदवार आशुलिपि परीक्षा हिन्दी में देने का विकल्प देंगे उन्हें अंग्रेजी आशुलिपि और जो आशुलिपि परीक्षा अंग्रेजी में देने का विकल्प देंगे उन्हें हिन्दी आशुलिपि निगम के बाव सीलनी होगी।

5. लिखित परीक्षा का प्रश्न पत्र (1) का भाग (क) केवल अंग्रेजी में ही तैयार किया जाएगा। प्रश्न-1 भाग (ख) द्विभाषी रूप में तैयार किया जाएगा।

6. उम्मीदवारों को सभी उत्तर अपने हाथ से लिखने होंगे। किसी भी हालत में उत्तर लिखने के लिए अन्य व्यक्ति की सहायता की अनुमति नहीं दी जाएगी।

7. आयोग अपने विधि से परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों के अंक अंक निर्धारित कर सकता है।

8. केवल उन्हीं उम्मीदवारों को आशुलिपि परीक्षा के लिए बलाग आयोग के विवेक के अनुसार न्यूनतम अर्हता अंक प्राप्त कर लेंगे।

9. केवल स्तरीय ज्ञान के लिए अंक नहीं दिए जाएंगे।

10. अस्पष्ट लिखावट के कारण लिखित विषयों में पूर्णकों में से 5 प्रतिशत तक अंक काट लिए जाएंगे।

11. निबन्ध के प्रश्न पत्र की परीक्षा में कम से कम शब्दों में क्रमबद्ध प्रभावपूर्ण ढंग से और ठीक-ठीक की गई भावाभिव्यक्ति का विशेष महत्व दिया जाएगा।

12. उम्मीदवारों को प्रश्न पत्र के उत्तर लिखते समय भारतीय अंकों के अंतराष्ट्रीय रूप (अर्थात् 1, 2, 3, 4, 5, 6 आदि) का ही प्रयोग करना चाहिए।

अनुसूची

भाग-क

लिखित परीक्षा का स्तर और पाठ्य विवरण :

टिप्पणी :—भाग "क" के प्रश्न पत्रों का स्तर लगभग बढी होगा जो किसी भारतीय विश्वविद्यालय की मैट्रिकुलेशन परीक्षा का होता है।

सामान्य अंग्रेजी :—यह प्रश्न पत्र इस ढंग से तैयार किया जाएगा कि इससे उम्मीदवार को अंग्रेजी व्याकरण और विचार रचना के ज्ञान की तथा अंग्रेजी भाषा को समझने और शब्द अंग्रेजी लिखने की उनकी योग्यता की जाँच हो जाए। इस प्रश्न पत्र में शब्दों में शब्द प्रयोग, आसान मुहावरा और लघु (प्रिपोजिशन) डायरेक्ट और इन्डायरेक्ट सीधे आदि शामिल किए जा सकते हैं।

निबन्ध :—उम्मीदवारों को दो प्रकरणों पर निबन्ध लिखना होगा। विषय चुनने की छूट दी जाएगी। उनसे यह याता की जाएगी कि वे अपने विचार व्यक्तित्व रूप से निबन्ध के विषय के संबंध में ही संक्षिप्त रूप से लिखेंगे। प्रभावपूर्ण ढंग से तथा ठीक-ठीक भाव व्यक्त करने वालों को श्रेय दिया जाएगा।

सामान्य ज्ञान :—निम्नलिखित विषयों की थोड़ी बहुत जानकारी :-

भारत का संविधान, पंचवर्षीय योजनाएं, भारतीय इतिहास और संस्कृति, भारत का सामान्य और आर्थिक भूगोल, वर्तमान घटनाक्रम, सामान्य विज्ञान और दिन प्रतीदिन नजर आने वाली ऐसी बातें जिनकी जानकारी एक लिखे व्यक्ति को होनी चाहिए। उम्मीदवारों के उत्तरों से यह प्रकट होना चाहिए कि उन्होंने प्रश्नों को अच्छी तरह से समझा है। उनके उत्तरों में किसी पाठ्य पुस्तक के सीधे तौर पर ज्ञान की अपेक्षा नहीं की जाती है।

भाग-ब

आशुलिपिक परीक्षा योजना

आशुलिपि परीक्षाओं की योजना :—अंग्रेजी में आशुलिपि की परीक्षाओं में श्रुतलेख परीक्षा 100 शब्द प्रति मिनट की गति से दस मिनट के लिए होगी जो उम्मीदवार को 50 मिनटों में लिप्यंतर करने होंगे।

हिन्दी में आशुलिपि की परीक्षाओं में श्रुतलेख परीक्षा 100 शब्द प्रति मिनट की गति से दस मिनट के लिए होगी जो उम्मीदवारों को 65 मिनटों में लिप्यंतर करने होंगे।

उन सेवाओं/पदों से संबंधित संक्षिप्त विवरण जिनके लिए इस परीक्षा द्वारा भर्ती की जा रही है :—

(क) केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा :

परिशिष्ट-2

(क) केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा में इस समय निम्न-लिखित ग्रेड हैं :—

निजी सचिव ग्रेड : रु. 10000-325-15200

ग्रेड "क" तथा "ख" (विलयित) : रु. 6500-200-10500

ग्रेड "ग" : रु. 5500-175-9000

ग्रेड "घ" : रु. 4000-100-6000

(2) उक्त सेवा के ग्रेड "ग" में नियुक्त व्यक्ति दो वर्ष तक परीक्षाधीन रहेंगे। इस अवधि के दौरान उन्हें सरकार द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण प्राप्त करने पड़ सकता है और परीक्षा देने पड़ सकती है।

(3) परीक्षा की अवधि पूरी होने पर सरकार संबंधित व्यक्ति को उनके पद पर स्थायी कर सकती है या यदि उसका कार्य अथवा आचरण सरकार की राय में असंतोषजनक रहा हो तो उसे सेवा से निकासित जा सकता है या सरकार उसकी परीक्षा अवधि जितनी और बढ़ाना उचित समझे बढ़ा सकती है।

(4) सेवा के ग्रेड में भर्ती किए गए व्यक्तियों को केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा योजना में भाग लेने वाले मंत्रालयों या कार्यालयों में से किसी एक में नियुक्त कर दिया जाएगा। किन्तु उसकी किसी भी समय किसी भी ऐसे अन्य मंत्रालय या कार्यालय में बदली हो सकती है।

(5) सेवा के ग्रेड ग में भर्ती किए गए व्यक्ति इस संबंध में समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार अगले उच्चतर ग्रेड में पदोन्नति किए जाने के पात्र होंगे।

(6) जिन लोगों की नियुक्त सेवा के ग्रेड ग में उनके अपने विकल्प के अनुसार की जाएगी उस नियुक्ति के पश्चात् भारतीय विदेश सेवा (ख) के संवर्ग अथवा रेलवे बोर्ड सचिवालय आशु-

लिपिक सेवा योजना अथवा सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा में शामिल किसी पद पर स्थानांतरण या नियुक्ति का दावा न कर सकेंगे।

(ख) रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा :

क. (1) रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा में इस समय निम्न ग्रेड हैं ,
ग्रेड "क" तथा "ख" (विलयित) रु. 6500-200-10500

ग्रेड "ग" रु. 5500-175-9000

ग्रेड "घ" रु. 4000-100-6000

(2) उक्त सेवा के ग्रेड "ग" में भर्ती किये गये व्यक्ति दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षाधीन रहेंगे। इस अवधि के दौरान उन्हें ऐसा प्रशिक्षण लेना पड़ेगा तथा ऐसी परीक्षा उत्तीर्ण करनी पड़ेगी जो सरकार समय-समय पर निर्धारित करे। परीक्षा अवधि के समाप्त होने पर यदि यह पाया गया कि सरकार की राय में उनमें से किसी भी व्यक्ति का कार्य वा. आचरण असंतोषजनक रहा है तो उनसे सेवा मुक्त किया जा सकता है या उसकी परीक्षा की अवधि को सरकार द्वारा अपेक्षित अवधि तक बढ़ाया जा सकता है।

(3) उक्त सेवा के ग्रेड ग में भर्ती किये गये व्यक्ति इस संबंध में समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार अगले उच्च ग्रेड में पदोन्नति के पात्र होंगे।

(ख) रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा रेल मंत्रालय तक ही सीमित है तथा केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा की तरह कर्मचारियों का अन्य मंत्रालयों में स्थानांतरण नहीं होता है।

(ग) इन नियमों के अधीन भर्ती किए गए रेलवे बोर्ड आशुलिपिक सेवा के अधिकारी

(1) पेंशन लाभ के पात्र होंगे, तथा

(2) सेवा में आने की तारीख को नियुक्त रेल कर्मचारियों पर लागू है। कर्मचारी राज्य रेल भविष्य निधि के अधीन उक्त निधि में अभिदान करेंगे।

(घ) रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा में नियुक्त उम्मीदवार रेलवे बोर्ड द्वारा समय-समय पर जारी किये गये आदेशों के अनुसार पास और विशेषाधिकार दिष्ट आदेश का हकदार होगा।

(ङ) उहां तक अवकाश तथा सेवा की अन्य शर्तों का संबंध है रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सम्मिलित स्टाफ के साथ वैसा ही बतवि किया जाता है जैसा कि रेलवे के अन्य स्टाफ से, किन्तु चिकित्सा सुविधाओं के मामले में वे केन्द्रीय सरकार के अन्य कर्मचारियों पर लागू नियमों में शामिल होंगे जिनका मुख्यालय नहीं दिल्ली होगा।

(ग) भारतीय विदेश सेवा (ख) आशांतिपिक संदर्ग का ग्रेड-2 भारतीय विदेश सेवा (ख) आशांतिपिक संदर्ग में इस समय निम्नलिखित ग्रेड है :

चयन ग्रेड : (विलयित) रु. 6500-200-10500

ग्रेड-1 :

ग्रेड-2 : रु. 5500-175-9000

ग्रेड-3 : रु. 4000-100-6000

आशांतिपिक संदर्ग के रु. 3000-100-3500-इ. रु. - 125-4500 के वेतनमान में नये ग्रेड को गठन की कार्यवाही चल रही है ।

(2) उक्त सेवा के ग्रेड में भर्ती किये गये व्यक्ति दो वर्ष की परिबीक्षा पर होंगे इस अवधि के दौरान उन्हें सरकार द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण प्राप्त करने पड़ते हैं और परीक्षाएँ देने पड़ सकती हैं । परिबीक्षा की अवधि पूरी होने पर यदि उनमें से किसी का कार्य या आचरण सरकार की राय में असंतोषजनक रहा हो तो उसे सेवा में निकाला जा सकता है या सरकार उसकी परिबीक्षा अवधि जिनकी और बढ़ाना उचित समझे देता सकती है ।

3. भारतीय विदेश सेवा (शाखा-ख) (आशांतिपिकों के संदर्ग में नियुक्त अधिकारी भारतीय विदेश सेवा शाखा-“ख”) (आर. सी. एस. पी.) नियमावली 1964 भारतीय विदेश सेवा (पी. एल. सी. ए.) नियमावली 1961 जो भारतीय विदेश सेवा “ख” के अधिकारियों पर लागू की गई है तथा वे अन्य नियम और आदेश जो भारत के अधिकारियों पर लागू की गई हैं । तथा वे अन्य नियम और आदेश जो भारत सरकार द्वारा उन पर लागू किए जाएं, द्वारा शासित होंगे ।

4. भारतीय विदेश सेवा शाखा (ख) विदेश मंत्रालय और विदेश में भारतीय मिशनों तक ही सीमित है । इस सेवा में नियुक्त अधिकारी वाणिज्य मंत्रालय को छोड़कर सामान्यतया अन्य मंत्रालयों में स्थानांतरित नहीं किए जा सकते हैं । परन्तु वे विदेशों में अन्य मंत्रालयों में निर्दिष्ट पदों पर तथा अंतर्राष्ट्रीय आयोजनाओं में भी नियुक्त किए जा सकते हैं । वे भारत में तथा भारत के बाहर कहीं भी उन स्थानों सहित जहां परिवार का कोई भी सदस्य साथ नहीं रहता हो तो सेवा पर भेजे जा सकते हैं ।

5. भारतीय विदेश सेवा (ख) के अधिकारियों को विदेश में उनके मूल वेतन के अतिरिक्त उस दर में विशेष सेवा अवधि भत्ता दिया जाएगा, के संदर्ग दोनों के निर्वाह खर्च आदि के आधार पर समय-समय पर स्वीकार किया जाए । इसके अतिरिक्त भारतीय विदेश सेवा (ख) के अधिकारियों के लिए लागू भारतीय विदेश सेवा (पी. एल. सी. ए.) नियमावली, 1961 के अनुसार विदेश सेवा अवधि में निम्नलिखित रियायतें भी स्वीकार होंगी :-

(1) सरकार द्वारा निर्धारित वेतनमान के अनुसार निःशुल्क मूकजित्त आवास ।

(2) सहायता प्राप्त शिक्षा परिचर्या के अंतर्गत शिक्षा परिचर्या सुविधाएं ।

(3) 6 और 22 वर्ष की आयु के बीच के अधिक से अधिक दो बच्चों के लिए जो भारत में पढ़ रहे हों अथवा एक बच्चा भारत तथा दूसरा विदेश में अधिकारी की तैनाती से इतर किसी अन्य देश में पढ़ रहा हो कतिपयाश्रितों के अधीन वायु मार्ग द्वारा वापसी यात्रा व्यय । यदि सरकारी कर्मचारियों के भारत में शिक्षा प्राप्त कर रहे 6 और 22 वर्ष की आयु के बीच से अधिक बच्चे हैं तो उसे विदेश में अपने माता-पिता के पास यात्रा करने वाले दो बच्चों के बदले अपनी पत्नी को छुट्टियों के दौरान भारत भेजने का विकल्प होगा । ऐसे किसी मामले में सरकारी कर्मचारी की पत्नी सस्ती से सस्ती उपलब्ध श्रेणी से वायु मार्ग द्वारा वापसी यात्रा व्यय की हकदार होगी ।

(4) सरकार द्वारा समय-समय पर निर्धारित दर से 5 से 18 वर्ष के अधिक से अधिक दो बच्चों का शिक्षा भत्ता ।

(5) विहित नियमों और समय-समय पर सरकार द्वारा निर्दिष्ट दरों के अनुसार विदेश में सेवा करने के संबंध में सज्जा-करण भत्ता प्राप्त होगा ।

(6) विहित नियमों के अनुसार अधिकारियों और उनके परिवारों को घर जाने की छुट्टी का यात्रा किया जा ।

6. केन्द्रीय सिविल सेवा (छुट्टी) नियम 1972 जो समय-समय पर संशोधित किए गए हैं, कतिपय संशोधनों के अधीन इन सेवा के सदस्यों पर लागू होंगे । ये अधिकारी विदेश सेवा में केन्द्रीय सिविल सेवा (छुट्टी) नियम 1972 के अधीन प्राप्त छुट्टियों के 50 प्रतिशत तक अतिरिक्त छुट्टी जमा कर सकते हैं ।

7. उक्त अधिकारी जब भारत में होंगे, जो ऐसी रियायतों के हकदार होंगे, जो, बराबर तथा एक सभ्य स्तर के अन्य केन्द्रीय सरकारी कर्मचारियों के लिए प्राप्त हैं ।

8. भारतीय विदेश सेवा (ख) के अधिकारी सामान्य भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवाएं) नियमावली, 1960 जिस समय-समय पर संशोधित किया गया है, तथा उसके अंतर्गत जारी किये गये आदेशों द्वारा शासित होंगे ।

9. इस सेवा में नियुक्त अधिकारी केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियमावली, 1972 जिसे समय-समय पर संशोधित किया गया है और उसके अंतर्गत जारी किये गये आदेशों के द्वारा शासित होंगे ।

(घ) सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा :

अनुबन्ध-2

सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा में इस समय निम्नलिखित ग्रेड हैं :-

आशुलिपिक : निजी सचिव रु. 10000-325-15000
ग्रेड "क" एवं "ख" (घिलपित) रु. 6500-200-10500
ग्रेड "ग" रु. 5500-175-9000
ग्रेड "घ" रु. 4000-100-6000

2. अस्थायी आशुलिपिक ग्रेड "ग" (वैयक्तिक सहायक) के रूप में सीधी भर्ती किए गए व्यक्ति दो वर्ष तक परिवीक्षाधीन रहेंगे। इस अवधि में यदि असंतोषजनक सेवा अभिलेख रहा, तो परिवीक्षाधीन व्यक्ति को सेवा में निकाला जा सकता है। परिवीक्षाधीन अवधि में उन्हें समय-समय पर सरकार द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण प्राप्त करने पड़ सकते हैं और परीक्षाएं देने पड़ सकती हैं।

3. सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा में भर्ती किया गया ग्रेड-ग का आशुलिपिक सामान्य: सशस्त्र मुख्यालय और दिल्ली/गढ़ दिल्ली स्थित अंतर सेवा संगठन के किसी कार्यालय में नियुक्त किया जाएगा। वह दिल्ली/गढ़ दिल्ली के बाहर अन्य स्थानों पर भी नियुक्त किया जा सकता जहां से सशस्त्र सेना मुख्यालय अन्तर सेवा संगठन के कार्यालय स्थित हों।

4. सेवा में, ग्रेड "ग" में भर्ती व्यक्ति, इस वारे में समय-समय पर लागू नियमावली के अनुसार उक्त ग्रेड में प्रोन्नति के पात्र होंगे।

5. छुट्टी, चिकित्सा सहायता और सेवा की अन्य शर्तें वही हों जो सशस्त्र सेना मुख्यालय और अंतर संगठनों में नियुक्त अन्य लिपिक वर्गीय कर्मचारियों के लिए लागू हैं।

अनुबन्ध-1

कार्यरत व्यक्ति के प्रमाण पत्र के फार्म के लिए कृपया नियम पैरा 5(6) के नीचे टिप्पणी-2 को देखें।

मैं एम्बुद्द्वारा यह प्रमाणित करता हूँ कि मेरे पास उपलब्ध सूचना के अनुसार संख्या.

रैंक नाम

तारीख जहां सशस्त्र सेना में अपना पद

भरण की निदिष्ट अवधि पूरी करने वाला है।

कमांडिंग अधिकारी के हस्ताक्षर
कार्यालय सील

स्थान

दिनांक

उम्मीदवार द्वारा दिया जाना वाला वचन

[कृपया नियम पैरा 5(6) के नीचे टिप्पणी-2 को देखें।]

मुझे इस बात की जानकारी है कि इस आर्देन पत्र से संबंधित भर्ती/परीक्षा के आधार पर यदि मेरा चयन हो जाता है तो उस स्थिति में मेरी नियुक्ति नियेक्ता प्राधिकारी को संतुष्ट कर सकने वाले इस आशय के दस्तावेजी प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने पर की जाएगी कि मुझे सशस्त्र सेवाओं से विभिन्न स्तर से कार्यभार/सेवा निवृत्त/स्वामुक्त किया गया है और साथ ही समय-समय पर यथा संशोधित केन्द्रीय सिविल सेवा तथा पद नियमावली, 1979 में उल्लिखित भूतपूर्व सैनिक/पुनर्नियोजन के अनुसार, भूतपूर्व सैनिकों के अनुसृत्य प्रशिक्षकों का पात्र हूँ।

उम्मीदवार के हस्ताक्षर

स्थान :-

तारीख :-

ग्रामीण क्षेत्र और राजगार मंत्रालय

(ग्रामीण विकास विभाग)

गढ़ दिल्ली, दिनांक 22 दिसम्बर 1998

सं. आर्दे-25011/19/97-पी.सी.—लोक कार्यक्रम और ग्रामीण प्रोद्योगिकी विकास परिषद की नियमावली और विनियमों के नियम 55 द्वारा इसको प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार से निर्णय लिया है कि लोक कार्यक्रम और ग्रामीण प्रोद्योगिकी विकास परिषद की नियमावली और विनियमों के वर्तमान नियम 44(क) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा :-

“44(क) जब क्षेत्रीय समितियों के गठन का प्रस्ताव किया जाए तो इनकी भौगोलिक सीमा, सदस्यता और कार्य का निर्धारण कार्यकारी समिति द्वारा किया जाए परन्तु सोसाइटी के अध्यक्ष का नामिती गठित की जाने वाली किसी समिति या एंग्री सभी समितियों का अध्यक्ष होगा।”

2. भारत सरकार द्वारा यह भी निर्णय किया गया है कि लोक कार्यक्रम और ग्रामीण विकास परिषद की नियमावली और विनियमों में एक नया उपनियम 38(क) जोड़ा जाए, जो निम्न प्रकार होगा :-

“38(क)-खण्ड (क) में अन्तर्दिष्ट उपबंधों पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला अधिका किसी राज्य, किसी व्यक्ति को सोसाइटी की कार्यकारी समिति का द्वितीय उपाध्यक्ष नियुक्त कर सकता है जो अध्यक्ष के प्रमाद पर्यन्त कार्य करेगा। उपाध्यक्ष एंग्री शक्तियों का प्रयोग तथा एंग्रे कर्तव्यों और दायित्वों का निर्वहन करेगा जो अध्यक्ष द्वारा उनका प्रत्यायोजित की जाएगी।”

एम. सी. मेन, अवर सचिव

रेल मंत्रालय
(रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, दिनांक 18 दिसम्बर 1998

संकल्प

सं. 93/पी एस/1/11/सीसीईए—विस्तारित बोर्ड के संघटन और कार्य-कलापों पर 7-1-97 के पत्र सं. 93/पीएस/1/11/सीसीईए, मध सं. 6 के तहत परिषीष्टत भारत सरकार के संकल्प में आंशिक आशोधन करते हुए, विशेष सचिव, योजना आयोग का स्थान-प्रमुख सलाहकार/योजना आयोग सचिव और रेलों के लिए विस्तारित बोर्ड के सदस्य के रूप में कार्य करेंगे।

इस विस्तारित बोर्ड का संघटन अब नीचे दिए गए अनुसार होगा :—

अध्यक्ष

1. अध्यक्ष, रेलवे बोर्ड
सदस्य
2. वित्त आयुक्त (रेल)
3. रेलवे बोर्ड के सभी सदस्य
4. सचिव (व्यय), वित्त मंत्रालय
5. सचिव (कार्यक्रम कार्यान्वयन),
कार्यक्रम कार्यान्वयन विभाग
6. मुख्य सलाहकार (परिवहन),
योजना आयोग

आदेश

आदेश दिया जाता है कि संकल्प का आदेश भारत के राजपत्र के खंड-1 भाग-1 में सामान्य सूचना के लिए प्रकाशित किया जाए।

डी. पी. त्रिपाठी
सचिव, रेलवे बोर्ड

नई दिल्ली, दिनांक 9 दिसम्बर 1998

संकल्प

सं. ई. आर. बी.-1/97/23/39—कृपया रेल संरक्षा समीक्षा समिति के गठन के संबंध में रेल मंत्रालय के 3-8-98 के सम्बंधक संकल्प का अवलोकन करें।

उपर्युक्त संकल्प के पैरा 3 के अंतर्गत विचारणीय विषय की मूद्र (क) को बदलकर नीचे दिए अनुसार पढ़ा जाए :—

(क) "रेल दुर्घटना जांच समिति" 1978 को निरक्षित के बाद से भारतीय रेलों पर दुर्घटनाओं की स्थिति की

समीक्षा करना और सभी पूर्ववर्ती दुर्घटना जांच समितियों की सिफारिशों के कार्यान्वयन की समीक्षा।"

डी. पी. त्रिपाठी
सचिव, रेलवे बोर्ड
तथा पदेन अपर सचिव

आदेश

इस संकल्प को भारत के राजपत्र में सामान्य सूचना के लिए प्रकाशित करने का आदेश दिया जाता है।

अविनाश बक्शी
संयुक्त सचिव (राज.), रेलवे बोर्ड

विद्युत मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 21 दिसम्बर 1998

संकल्प

सं. 11011/2/96-हिन्दी—विद्युत मंत्रालय के दिनांक 26 फरवरी, 1992 और 22 मार्च, 1995 के संकल्प संख्या 11011/5/90-हिन्दी का अधिक्रमण करते हुए भारत सरकार ने विद्युत मंत्रालय की हिन्दी सलाहकार समिति का निम्न प्रकार से पुनर्गठन करने का निर्णय लिया है :—

सरकारी सदस्य

विद्युत मंत्री
अध्यक्ष

1. सचिव (विद्युत)

सदस्य

2. विशेष सचिव (विद्युत)

3. अध्यक्ष,
केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण,
सेवा भवन, आर. के. पुरम,
नई दिल्ली-110066।

4. अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक,
नेशनल थर्मल पावर कारपोरेशन लि.,
फ्लोर-7, स्काय काम्पलेक्स,
नई दिल्ली-110003।

5. अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक,
पावरग्रिड कारपोरेशन आफ इंडिया लि.,
बी-9, कुतूब इन्स्टीट्यूशन एरिया,
कटवाहिया सराय, नई दिल्ली।

सदस्य

6. अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक,
विद्युत विस्त निगम लि.,
चन्द्रलोक बिल्डिंग,
36, जनपथ, नई दिल्ली-110001 ।
7. अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक,
ग्रामीण विद्युतीकरण निगम,
कॉर-4, स्कोप कॉम्प्लेक्स,
लोधी रोड,
नई दिल्ली-110003 ।
8. अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक,
नेशनल हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर कॉर्पोरेशन लि.
एन. एच. पी. सी. कार्यालय परिसर,
सैक्टर-33, फरीदाबाद-121003 ।
(हरियाणा)
9. अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक,
नाथपा झोकरी पावर कॉर्पोरेशन लि.,
हिमफाउंड बिल्डिंग,
शिमला-171009 ।
10. अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक,
टिहरी हाइड्रो डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लि.,
ए-10, सैक्टर-1, कुभको भवन,
बीपी मंजिल, नौएडा-301301 ।
11. अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक,
उत्तर पूर्वी विद्युत वित्त निगम लि.,
"बुकलैड", लोअर न्यू कालोनी,
पो. बो. नं. 79, शिलांग-793001 ।
12. अध्यक्ष,
भास्करा व्यास प्रबंध बोर्ड,
सैक्टर-19 बी, मध्य मार्ग,
खंडीगढ़-160019 ।
13. अध्यक्ष,
बामंदर घाटी निगम लि.,
डी. वी. सी. टावर्स,
बी. आई. पी. रोड,
कलकत्ता-700054 ।
14. महानिदेशक,
केन्द्रीय विद्युत अनुसंधान संस्थान,
प्रो. सर सी. बी. रामन रोड,
राजमहल विलास एक्सटेंशन,
2 स्ट्रेज पी. ओ., पो. बा. नं. 9401
जयसौर-560094 ।
15. महानिदेशक,
राष्ट्रीय विद्युत प्रशिक्षण संस्थान,
एन. पी. टी. आई. कॉम्प्लेक्स,
सैक्टर-33, फरीदाबाद-121003,
हरियाणा ।
16. सचिव, राजभाषा विभाग
17. संयुक्त सचिव, राजभाषा विभाग
सदस्य-सचिव
18. संयुक्त सचिव (प्रशासन); विद्युत मंत्रालय
गैर सरकारी सदस्य
- सदस्य
19. श्री तारा चन्द गाहू सांसद (लोक सभा)
20. कु. धिमला वर्मा, सांसद (लोक सभा)
21. श्री मोहन बाबू, सांसद (राज्य सभा)
22. संसदीय कार्य मंत्रालय द्वारा अभी नामित किया जाना है ।
23. श्री सुनील कुमार इन्दौरा, सांसद (लोक सभा)
24. डा. वाई. लक्ष्मी प्रसाद, सांसद (राज्य सभा)
25. अध्यक्ष, केन्द्रीय सचिवालय दिल्ली परिसर,
नई दिल्ली ।
26. अध्यक्ष, राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा (महाराष्ट्र)
27. श्री विनोद नारायण भा,
44, संस्कृत नगर,
सैक्टर-14, रोहिणी,
दिल्ली-110085 ।
28. डा. मधुरेश नंदन कूलश्रेष्ठ,
75/70, मानसरोवर,
जयपुर-302020 (राजस्थान)
29. श्रीमती मीना अग्रवाल,
डी-259, डिफेंस कॉलोनी,
नई दिल्ली-110024 ।
30. श्रीमती ओम सिधानी,
109/31, माडल हाउस,
लखनऊ (उ. प्र.) ।
31. श्री आर. के. मिश्रा,
असीस एट प्रोफेसर,
भारतीय भाषा केन्द्र,
भाषा विद्यालय,
जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय,
नई दिल्ली-110067 ।

32. डा. माधव राव वेंकट,
सक्रियपति,
प्रोफेसर (हिन्दी),
ए. यू. प्लाट नं. 77, सेक्टर-2,
डी नं. 2-49-1 एम वी पी कालोनी,
विशाखापट्टनम-530017 (आ. प्र.) ।

33. श्री सी. जी. त्रिपाठी,
आई. ए. एस. (सेवा नियुक्त),
तत्कालीन सचिव (रा. भा.),
11, तीन मूर्ति मार्ग,
नई दिल्ली-110011 ।

2. यह समिति सरकारी प्रयोजनों के लिए हिन्दी के उत्तरांतर प्रयोग से संबंधित मामलों तथा सहायक और प्रासंगिक मामलों पर विद्युत मंत्रालय और इसके संबंध व अधीनस्थ कार्यालय/निगमों/उपक्रमों/स्वायत्तशासी निकायों/सेसायटियों/बोर्डों आदि को सलाह देगी ।

3. समिति के सदस्यों का कार्यकाल सामान्यतः इसके गठन की तारीख से 3 वर्ष का होगा, क्योंकि :

(क) समिति के नामजब संसद सदस्य की सदस्यता उनके संसद सदस्य न रहने पर समाप्त हो जाएगी ।

(ख) समिति के पदने सदस्य उस समय तक सदस्य रहेंगे जब तक वे उस पद पर रहते हैं, जिसके नाते वे इस समिति के सदस्य हैं ।

(ग) किसी सदस्य के त्यागपत्र, मृत्यु इत्यादि से कोई स्थान नियुक्त हो जाता है तो उस रिक्ति पर नियुक्त सदस्य शेष अवधि के लिए सदस्य बना रहेगा ।

4. समिति की बैठकों में भाग लेने के लिए गैर-सरकारी सदस्यों को राज भाषा विभाग के दिनांक 22 जनवरी, 1997 के का. शा. संख्या 11/20034/4/86-रा. भा. (क-2) में निहित दिशा-निर्देशों के अनुरूप और भारत सरकार द्वारा समय-समय पर यथा-संशोधित निर्धारित दरों एवं नियमों के अनुसार यात्रा भत्ता और दैनिक भत्ता दिया जाएगा ।

5. समिति का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा ।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि संकल्प की प्रति समिति के सभी सदस्यों, सभी राज्य सरकारों और संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों, प्रधानमंत्री कार्यालय, मंत्रिमंडल सचिवालय, संसदीय कार्य मंत्रालय, लोक सभा सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, योजना आयोग, भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक और भारत सरकार के सभी मंत्रालयों और विभागों को भेज दी जाए ।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को आम जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए ।

अनिल राजदान, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

New Delhi, the 7th December 1998

No. A-42011/9/97-Admn. II.—In exercise of the powers conferred by Clause (ii) of Sub-section (1) of Section 209-A of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) the Central Government hereby authorise Shri C. S. Govinda Rajan, Assistant Inspecting Officer in the Department of Company Affairs for the purpose of the said Section 209-A.

D. P. SAINI
Under Secy.

No. A-42011/9/97-Admn. III.—In exercise of the powers conferred by Clause (ii) of Sub-section (1) of Section 209-A of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) the Central Government hereby authorise Shri Arvind Shukla, Assistant Inspecting Officer in the Department of Companies Affairs for the purpose of the said Section 209-A.

D. P. SAINI
Under Secy.

No. A-42011/9/97-Admn. III.—In exercise of the powers conferred by Clause (ii) of Sub-section (1) of Section 209-A of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) the Central Government hereby authorise Shri E. Selvaraj, Inspecting Officer in the Department of Company Affairs for the purpose of the said Section 209-A.

D. P. SAINI
Under Secy.

DEPARTMENT OF PERSONNEL & TRAINING RULES FOR RECRUITMENT OF GRADE 'C'

STENOGRAPHERS, 1996

New Delhi, the 9th January 1999

No. 10/2/97-CS. II.—The rules for the Recruitment of Grade 'C' Stenographers, 1996 to be held by the Staff Selection Commission in 1998 for the purpose of filling temporary vacancies in the following service/posts are published for general information :—

- (i) Indian Foreign Service (B) Grade II of the Stenographers cadre.
- (ii) Railway Board Secretariat Stenographers' Service Grade (for inclusion in the select List of the Grade).
- (iii) Central Secretariat Stenographers' Service Grade 'C'.
- (iv) Armed Forces Headquarters Stenographers' Service Grade 'C'; and
- (v) Posts of Stenographers in other departments/organisations and Attached Offices of the Govt. of India not participating in the I.F.S. (B)/Railway Board Secretariat Stenographers' Service/Central Secretariat Stenographers' Service/Armed Forces Headquarters Stenographers' Service.

A candidate may apply for any one or more of the service/posts mentioned above. He may specify in his application as many of these service/posts as he may wish to be considered for.

NOTE 1. Candidates are required to specify clearly the order of preferences for the services/posts, for which they wish to be considered. No request of alternation in the order of preferences for the services/posts for which he is competing, would be considered from a candidate, unless the request for such alternation is received in the office of the Staff Selection Commission.

tion-Commission within 30 days of the date of publication of the result of the written examination in the Employment News.

NOTE 2. Some departments/office of the Government of India making recruitment through this examination would require only English Stenographers and appointments to posts of Stenographers in these departments/offices on the results of this examination will be made only from amongst those who are recommended by the Commission on the basis of the written test and shorthand test in English (C.F. Para 4 of Appendix 1 to the Rules).

2. The number of vacancies to be filled through this recruitment will be determined later. Reservations for candidates belonging to the Scheduled Castes/Scheduled Tribes and OBCs in respect of vacancies shall be taken into account as per vacancy position reported in groups of services/offices mentioned in para 1 above.

3. An examination will be conducted by the Staff Selection Commission in the manner prescribed in Appendix I to the Rule. The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

4. (i) A candidate must be either:

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Nepal, or
- (c) a subject of Bhutan, or
- (d) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962 with the intention of permanently settling in India or
- (e) a person of Indian origin who was migrated from Burma and Sri Lanka with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (b), (c), (d) and (e) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

Provided further that candidates belonging to categories (b), (c) and (d) above will not be eligible for appointment to the Indian Foreign Services (B) (Grade II of the Stenographers' Cadre).

(ii) A candidate in whose case a certificate of the eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Govt. of India.

5. (A) A candidate for admission to this examination must have attained the age of 18 years and must not have attained the age of 25 years on 1st January, 1996 i.e. he must have been born not earlier than 2nd January, 1971 and not later than 1st January, 1978.

NOTE : CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONLY THE DATE OF BIRTH AS RECORDED IN THE MATRICULATION/SECONDARY EXAMINATION CERTIFICATE OR AN EQUIVALENT CERTIFICATE ON THE DATE OF SUBMISSION OF APPLICATION WILL BE ACCEPTED BY THE COMMISSION AND NO SUBSEQUENT REQUEST FOR ITS CHANGE WILL BE CONSIDERED OR GRANTED.

(B) The upper age limit will be relaxable upto the age of 35 years in respect of persons who have been regularly appointed as Stenographers (including Language Stenographers/Clerk Stenotypists) in the various Departments/Offices of the Government of India including those under the Union Territory administration or in the offices of the Election Commission and the Central Vigilance Commission or in the Lok Sabha/Rajya Sabha Secretariat and have rendered not less than 3 years continuous service as Stenographers (including Language Stenographer/Clerks/Steno-Typist) on 1st January, 1996 and continue to be so employed.

Provided that the above relaxation will not be available to persons appointed as stenographers on the basis of earlier examinations, held by the Union Public Service Commission and SSC in :—

- (i) Central Secretariat Stenographers' Service Grade 'C' or
- (ii) Railway Secretariat Stenographers' Service Grade 'C', or
- (iii) Indian Foreign Service (B) Grade II of the Stenographers Cadre.
- (iv) Armed Forces Headquarters Stenographers Service (Grade C).

NOTE 1—Service rendered by R.M.S., Sorters employed in subordinate Offices of P&T Department shall be treated service rendered in the grade of Clerks for purpose of Rule 5 (B) above.

NOTE 2—Service rendered by Service Clerks, employed in Defence installations, shall not be counted for the purpose of Rules 5 (B) above.

(C) The upper age limit in all the above cases, will be further relaxable :

- (i) Up to a maximum of five years if a candidate belongs to a Schedule Caste or a Scheduled Tribe.
- (ii) Upto a maximum of 3 years if a candidate belongs to Other Backward Classes in accordance with DP&T OM No. 43013/2/95-Estt (SCT) dt. 25-1-95.
- (iii) Upto maximum of three years (8 years in the case of SC/ST and 6 years in case of OBC candidates) in the case of Defence Service personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area released as a consequence thereof.
- (iv) Upto maximum of 5 years (10 years for SC/ST and 8 years for OBC candidates) in the case of ex-servicemen and Commissioned Officers including ECOs/SSCOs, who have rendered at least five years, Military Service as on 1st January 1996 and have released (i) on completion of assignment including those whose assignment is due to be completed within one year from the closing date (i.e. 10-4-98) otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency or (ii) on account of Physical disability attributable to Military Service or (iii) on invalidment.
- (v) Upto a maximum of Five years (10 years for SC/ST & 8 years for OBC candidates) in the case of ECOs/SSCOs who have completed an initial period of assignment of five years of Military Service on 1st January, 1996 and whose assignment has been extended beyond five years and in whose case the Ministry of Defence issues a certificate that they can apply for civil employment and they will be released on three months notice on selection from the date of receipt of offer of appointment.
- (vi) Upto a maximum of 3 years (8 years for SC/ST, 6 years for OBC) to candidates who are bonafide repatriates of Indian Origin from Kuwait, or Iraq and have migrated to India after 15th May, 1990 but before 22nd Nov., 1991; in accordance with Department of Personnel and Training O.M. No. 15012/11/90-Estt, (D) dated 22-11-91.
- (vii) Upto the maximum of 5 years to candidates of J&K who had ordinarily been domiciled in J&K during the period from 1-1-80 to 31-12-89. Any person intending to avail of the aforesaid relaxation shall submit a certificate from either District Magistrate within whose jurisdiction he had ordinarily resided or any other authority so designated in this behalf by the Government of J&K to the effect that he had ordinarily been domiciled in the State of J&K during the period 1-1-80 to 31-12-89.

Note I : Ex-servicemen who have already secured regular employment under the Central Government in Group 'C'/Group 'D' civil post availing the benefits given to them as ex-servicemen, are also eligible to the age and fee concession under Rule 5 (c) (iv) and 5 (c) (v) above and para 10 below. However, such candidates will not be entitled for the benefit of reservation in the post.

Note II : For any servicemen of the three Armed Forces of the Union to be treated as Ex-Serviceman for the purpose of securing the benefits of age relaxation he must have already acquired, at the relevant time to submitting his application for the post/service the status of Ex-serviceman and/or is in a position to establish his acquired entitlement by documentary evidence from the competent authority that he would be discharged from the Armed Forces within the stipulated period of one year from the closing date (i.e. 10-4-98) on completion of his assignment. The form of certificate/undertaking to be submitted by the candidate in this connection is given in Annexure I & II.

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS PRESCRIBED ABOVE SHALL IN NO CASE BE RELAXED.

(viii) A Stenographer (including language stenographer) Clerk Steno-typist who is on deputation to an ex-cadre post with the approval of the competent authority or who is transferred to another post but retains lien on the post from which he transferred will be eligible to be admitted to the examination if otherwise eligible.

6. The candidate must have passed the Matriculation examination or equivalent or higher examination from a recognised university or Education Board as on 1-1-96.

Note : A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him educationally qualified for the Commission's examination but has not been informed of the result as on 1-1-96 and also the candidate who intends to appear at such a qualifying examination will not eligible to apply for admission to the Commission's examination.

7. All candidates in Government service, whether in a permanent or in temporary capacity or as work-charged employees other than casual duty or daily rated employees, or those serving under Public Enterprises, will be required to submit an undertaking than they have informed in writing to their Head of Office/Department that they have applied for this examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employer by the Commission withholding permission to the candidates applying for appearing at the examination, their application shall be rejected/candidature shall be cancelled.

8. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

9. No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission issued by the Commission.

10. Candidates must pay the examination fee Rs. 25/- (no fee for SC/ST/EXS/PH).

11. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of :—

- (i) Obtaining support for his candidature by any means, or,
- (ii) Impersonating, or
- (iii) Procuring impersonation by any person, or
- (iv) Submitting fabricated documents or documents which has been tampered with, or.

(v) Making statements which are incorrect or false or suppressing material information, or

(vi) Resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or

(vii) Using unfair means during the examination; or

(viii) Writing irrelevant matter, including obscene language or pronomorphic matter, in the script(s); or

(ix) Misbehaving in any other manner in the examination hall, or

(x) Harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examination; or

(xi) Taking away the Question Booklet/Answer sheet/Shorthand script from the examination hall or passing it to unauthorised person/persons during the conduct of the examination; or

(xii) Violating any of the instructions issued to candidates, alongwith their admission certificates permitting them to take the examination; or

(xiii) Attempting to commit or as the case may be, abetting the Commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses; may, in addition to, rendering himself liable to criminal prosecution be liable :—

(a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; or

(b) to be debarred either permanently or for a specified period.

(c) by the Commission from any examination or selection held by them.

(d) by the central Government from any employment under the; and

(e) if he is already in service under Government to disciplinary action under the appropriate rules.

Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after :—

(i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf; and

(ii) taking the representation if any, submitted by the candidate within the period allowed to him into consideration.

12. After the examination, the Commission will draw separate merit lists for Hindi Stenographers and English Stenographers as disclosed by the aggregate marks of the candidate in the written test and in the shorthand test, and in that order so many candidates as found qualified by the Commission shall be recommended for inclusion in the Select List for Hindi and English Stenographers upto the number of unreserved vacancies reported to be filled on the result of the examination. (The candidates belonging to any of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes or the Other Backward Classes may, to the extent of the number of vacancies reserved for the Scheduled Caste, the Scheduled Tribes and the Other Backward Classes be recommended by the Commission by a relaxed standard, subject to the fitness of these candidates for selection to the service. Provided that the candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and the Other Backward Classes who have been recommended by the Commission without resorting to the relaxed standard referred to in this sub-rule, shall not be adjusted against the vacancies reserved for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and Other Backward Classes).

Having regard to candidates' rank in order of merit, consideration may be given as far as feasible to their preference at the time of declaration of the final results for the examination.

Candidates who satisfy the qualifying standard in the dictation at 100 words per minute, will be arranged inter se in order of merit as disclosed by the aggregate marks awarded to each candidate.

13. The result of the examination will be published in the Employment News/Rozgar Samachar by the Commission and the Commission will not enter into correspondence with candidate regarding the result.

14. Success in the examination confers no right to appointment unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary that the candidate is suitable in all respects for the appointment to the service/post.

15. No person :—

- (a) Who has entered into or contracted a marriage with a person having spouse living, or
- (b) Who having a spouse living entered into or contracted marriage with any person.

shall be eligible for appointment to service provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing exempt any person from the operation of this rule.

16. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient discharge of his duties as officer of the Service. A candidate who after such medical examination as may be prescribed by the competent authority is found not to satisfy those requirements, will not be appointed. Only such candidates as are likely to be considered for appointment will be medical examined.

Note In the case of disabled ex-Defence Service personnel, and certificate of fitness granted by the Demobilisation Medical Board of the Defence Services will not be considered adequate for the purpose of appointment.

17. Brief particulars relating to the Service/posts to which recruitment is being made through this examination, are given in Appendix II.

S. K. JINDAL
Under Secretary

APPENDIX-I

The subject of the examination, the time allowed and maximum marks for each subject will be as follows :—

PART A WRITTEN TEST

PAPER NO.	SUBJECT	MAX. MARKS	DURATION
Paper I	General Test		
	a) General English	200	2 Hours
	(Objective type)		
	b) General knowledge	100	2 Hours
	(Objective type)		

PART B SHORTHAND TEST IN HINDI OR IN ENGLISH FOR THOSE WHO QUALIFY THE WRITTEN TEST

300 Marks

Note I : Paper II of written examination shall be evaluated of only those candidates who attain a minimum qualifying standard in Paper I as may be fixed at the discretion of the Commission.

3-401 G1/98

Note II : Candidates will be required to transcribe their shorthand notes on typewriters and for this purpose they will be required to bring their own typewriters with them.

Note III : The papers in General English and General Knowledge will consist of objective type questions.

3. The syllabus for the Written Test and the scheme of the Shorthand Test will be as shown in the Schedule to this Appendix.

4. Candidates are allowed the option to answer paper II 'Essay' either in Hindi (Devnagari) or in English. The option will apply to complete paper and not to a part thereof.

Candidates exercising the option to answer the Essay paper in Hindi (Devnagari) may, if they so desire give English version within brackets of the description of the technical terms, if any, in addition to the Hindi version.

Candidates who opt to answer the aforesaid papers in Hindi (Devnagari) will be required to take the shorthand tests also in Hindi (Devnagari) only and candidates who opt to answer the aforesaid paper in English will be required to take the Shorthand Tests also in English only.

Question papers in Essay and General Knowledge will be set both in Hindi and in English.

Note : Candidates desirous of exercising the option to answer paper II Essay of the Written Test and the Shorthand Test in Hindi (Devnagari) should indicate their intention to do so in the application form. Otherwise, it will be assumed that they will take the Written Test and Shorthand Tests in English.

The option once exercised shall be treated as final. No request for alteration in the said column shall be entertained.

If a medium other than the one indicated by the candidate in the application form is used in the examination, the paper of such candidates will not be valued.

Note 2 : Candidates who opt to take the Shorthand Test in Hindi, will be required to learn English Shorthand and vice-versa, after their appointment.

5. Part (a) of Paper I of the Written Test will be set in English only. Part (b) of Paper I will be printed in Bilingual form.

6. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances, will they be allowed the help of a scribe to write down answers for them.

7. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all subjects of the examination.

8. Only those candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written test, as may be fixed by the Commission in their discretion, will be called for shorthand test.

9. Marks will not be allowed for more superficial knowledge.

10. Deduction upto 5 percent of the maximum marks for the written subjects will be made of illegible handwriting.

11. Credit will be given for orderly, effective and exact expression combined with due economy of words in the paper on Essay for the examination.

12. Candidates should use only International form of Indian numbers (e.g. 1, 2, 3, 4, 5, 6, etc.....) while answering question papers.

SCHEDULE

PART-A

STANDARD AND SYLLABUS OF THE
WRITTEN TEST

NOTE : The standard of the question papers in Part A will be approximately that of the Matriculation examination of an Indian University.

General English : The Papers will be designed to test the candidates' knowledge of English Grammar and Composition and generally their power to understand and ability to write correct English. The paper may include questions of use of words, easy idioms and preposition, direct and indirect speech etc.

Essay : Candidates will be required to write essay on two topics. A choice of subjects will be given. They will be expected to keep closely to the subject of the essay to arrange their ideas in orderly fashion and to write concisely. Credit will be given for effective and exact expression.

General Knowledge : Some knowledge of the Constitution of India, Five Year Plans, Indian History and Culture, General and Economic Geography of India, current events, every day science and such matters of every day observation as may be expected of an educated person. Candidates' answers are expected to show their intelligent understanding of the questions and not detailed knowledge of any text book.

PART-B

SCHEME OF SHORTHAND TEST

The Shorthand Test in English will comprise dictation test at 100 words per minute for ten minutes, which the candidates will be required to transcribe in 50 minutes.

The Shorthand Test in Hindi will comprise dictation test at 100 words per minute for 10 minutes which the candidates will be required to transcribe in 65 minutes.

APPENDIX-II

BRIEF PARTICULARS RELATING TO THE SERVICES/
POSTS TO WHICH RECRUITMENT IS BEING MADE
THROUGH THIS EXAMINATIONA. THE CENTRAL SECRETARIAT STENOGRAPHERS'
SERVICE

The Central Secretariat Stenographers' Service has at present the following grades :—

Private Secretary Grade : Rs. 10000-325-15200.

Grade 'A' and 'B' (merged) : Rs. 6500-200-10500.

Grade 'C' : Rs. 5500-175-9000.

Grade 'D' : Rs. 4000-100-6000.

(2) Persons recruited to Grade 'C' of the Service will be on probation for a period of two years. During this period, they may be required to undergo such training to pass such examination as may be prescribed by Government.

(3) On the conclusion of the period of probation Government may confirm the persons concerned in his appointment or if his work or conduct in the opinion of Government has been unsatisfactory he may either be discharged from the Service or his period of probation may be extended for such further period as Govt. may think fit.

(4) Persons recruited to Grade 'C' of the Service will be posted to one of the Ministries or Offices participating in the Central Stenographers' Service Scheme. They may, however, at any time be transferred to any other such Ministry or Office.

(5) Persons recruited to Grade 'C' of the Service will be eligible for promotion to the next higher grade in accordance with the rules in force from time to time in this behalf.

with the rules in force from time to time in this behalf.

(6) Persons recruited to Grade 'C' of the Service in pursuance of their option for that service will not, after such appointment, have any claim for transfer or appointment to any post included in the Cadre of the Indian Foreign Service (B) or the Railway Board Secretariat Stenographers Service or AFHQ.

B. THE RAILWAY BOARD SECRETARIAT STENO-
GRAPHERS' SERVICE

The Railway Board Secretariat Stenographers' Service has at present the following grades :—

Grade 'A' & 'B' (merged) : Rs. 6500-200-10500.

Grade 'C' : Rs. 5500-175-9000.

Grade 'D' : Rs. 4000-100-6000.

(ii) Persons recruited to Grade 'C' of the Service will be on probation for a period of two years. During this period, they may be required to undergo such training and to pass such examination as may be prescribed by Govt. On the conclusion of the period of probation if it is found that the work or conduct in the opinion of the Govt. of any of them has been unsatisfactory he may either be discharged from the service or his period of probation may be extended for such further period as Government may think fit.

(iii) Persons recruited to Grade 'C' of the Service will be eligible for promotion to the higher grade in accordance with the rules in force from time to time in this behalf.

(b) The Railway Board Secretariat Stenographers' Service is confined to the Ministry of Railways and staff are not liable to transfer to other Ministries in the case of the Central Secretariat Stenographers' Service.

(c) Officers of the Railway Board's Stenographers' Service recruited under these rules :

(i) will be eligible for pensionary benefits; and

(ii) shall subscribe to the non-contributory state Railway Provident Fund under the rules of that fund as are applicable to Railway Servants appointed on the date they join service;

(d) The candidates appointed to the Railway Board Secretariat Stenographers' Service will be entitled to the Privilege of Passes and Privilege Ticket Orders in accordance with the orders issued by the Railway Board from time to time.

(e) As regards leave and other conditions of Service, staff included in the Railway Board Secretariat Stenographers' Service are treated in the same way as other Railway staff but in the matter of medical facilities they will be governed by the rules applicable to other Central Government employees with Headquarters at New Delhi.

C. INDIAN FOREIGN SERVICE (B)—GRADE II OF
THE STENOGRAPHERS GRADE

The Stenographers Cadre of the IFS (B) has at present the following grades :

Principal Private Secretary : Rs. 10000-325-15200.

Selection Grade & Grade I (merged) : Rs. 6500-200-10500.

Grade II : Rs. 5500-175-9000.

Grade III : Rs. 4000-100-6000.

2. Persons recruited to Grade II of the Service will be on probation for a period of two years. During this period, they may be required to undergo such training and to pass such examination as may be prescribed by the Government. On the conclusion of the period of probation, if it is found that work or the conduct of any of them in the opinion of the Government has been unsatisfactory he may either be discharged from service or his period of probation may be extended for such further period as Government may think fit.

3. The Officers appointed to Grade II of the SSC of the IFS (Branch B) will be governed by the IFS (Branch B) (RCSP) Rules, 1994, IFS (PLCA) Rules, 1961 as made applicable to IFS (B) officers and such other rules and orders as may be made applicable to them by the Government of India.

4. The Indian Foreign Service Branch (B) is confined to the Ministry of External Affairs and the Indian Missions abroad. The officers appointed to this service are normally not liable to transfer to other Ministries except the Ministry of Commerce. They are however, liable to be posted abroad against the posts, borne on the strength of other Ministries and also liable to be posted to International Commission etc. They are liable to serve anywhere in India or outside India, including non-family stations.

5. During service abroad IFS (B) officers are granted foreign allowance in addition to their basic pay at rates which may be sanctioned from time to time, depending upon the cost of living etc. of the countries concerned. In addition, the following concessions are also admissible during service abroad in accordance with the IFS (PLC) Rules, 1961 as made applicable to IFS (B) Officer.

- (i) Free furnished accommodation according to the scale prescribed by the Government.
- (ii) Medical Attendance Facilities under the assisted Medical Attendance Scheme.
- (iii) Annual return air passage for children upto a maximum two children between the age of 6 and 22 studying in India or one child in a country other than the country of the Officers' posting abroad subject to certain conditions. If a Government servant has more than two children between the age 6 and 22 studying in India, he shall have the option send his wife to India during the vacation in lieu of two children visiting their parents abroad. In such cases the wife of the Government servant shall be entitled to return air passage by the cheapest class available.
- (iv) An allowance for the education of children upto a maximum of two children at the age 5 and 20 at rates prescribed by Government from time to time.
- (v) Outfit allowance in connection with services abroad in accordance with the prescribed rules and at rates prescribed by Government from time to time.
- (vi) Home leave passage for officers and their families in accordance with the prescribed rules.

6. Central Civil Service (Leave) Rules 1972, as amended from time to time will apply to members of the service subject to certain modifications. For service abroad, officers are entitled to an additional credit of leave to extent of the 50 percent of leave admissible under the Central Civil Services (Leave) Rules, 1972.

7. While in India, officers are entitled to such concessions as are admissible to other Central Government Servants of equal and similar status.

8. Officers of the IFS (B) are governed by the Central Provident Fund (Central Services) Rules, 1980 as amended from time to time and by orders issued the remainder.

9. Officers appointed to this service are governed by the Central Civil Services (Person) Rules, 1972, as amended from time to time and by orders issued the remainder.

D. ARMED FORCES HEADQUARTERS STENOGRAPHERS' SERVICE

The AFHQ Stenographers' Service has at present the following grades :—

- Principal Private Secretary : Rs. 10000-325-15200.
 Grade 'A' & 'B' (merged) : Rs. 6500-200-10500.
 Grade 'C' : Rs. 5500-175-9000.
 Grade 'D' : Rs. 4000-100-6000.

2. Persons recruited direct as temporary Stenographer's Grade 'C' (Personal Assistant) will be on probation for a period of two years. Unsatisfactory record of service during this period may result in discharge of the probationer from service. During probation, a member of the service may be required to undergo training and to pass such tests as the Government may from time to time prescribed.

3. Stenographers' Grade 'C' recruited to AFHQ Stenographers' Service will be generally posted to any office of the AFHQ and Inter-Service Organisation located to in Delhi/New Delhi. They will also be liable to be posted to such other stations outside Delhi/New Delhi, where office of AFHQ's organisation may be located.

4. Persons, recruited to Grade 'C' of the service will be eligible for promotion to the higher grade in accordance with the rules in force from time to time in this behalf.

5. Leave, Medical aid and other condition of service are the same as applicable to other Ministerial staff employed in Armed Forces Headquarters and Inter-Service Organisation.

ANNEXURE-II

FORM OF CERTIFICATE FOR SERVICE PERSONNEL

(Please see note II below rule para 5 (c))

I hereby certify that according to the information available with me (No.)
 Rank (Name
 is due to complete the specified term of his engagement with the Armed Force on the (date)

Place :

Date :

Signature of the
 Commanding Officer
 Office Seal

ANNEXURE-II

UNDERTAKEN TO BE GIVEN BY THE EX-SERVICEMEN CANDIDATES

(Refer note II below para 5 (c))

I understand that, if selected on the basis of the recruitment examination to which this application relates, my appointment will be subject to my producing documentary evidence to the satisfaction of the appointing authority that I have been duly released/retired/discharged from the Armed Forces and that I am entitled to the benefits admissible to ex-servicemen in terms of the Ex-servicemen/Re-employment in Central Civil Service & Posts Rules, 1979, as amended from time to time.

Signature of the candidate

Place :

Date :

MINISTRY OF RURAL AREAS & EMPLOYMENT (DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)

New Delhi, the 22nd December 1998

No. I-25011/19/97-PC.—In exercise of the powers conferred on it by Rule 55 of the Rules and Regulations of the Council for Advancement of People's Action and Rural Technology, the Government of India has decided that the existing Rule 44 (b) of the Rules and Regulations of the Council for Advancement of People's Action and Rural Technology shall be substituted by the following :—

"44 (b) The geographic coverage of the Regional Committee and their membership and functions may be determined by the Executive Committee as and when such

Committees are proposed to be constituted provided that the nominee of the President of the Society shall be the chairperson of any or all such Regional Committees that may be constituted."

2. It has also been decided by the Government of India to add a new sub-rule 38 (B) in the Rules and Regulations of the Council for Advancement of People's Action and Rural Technology, which will be as follows :—

"38(B) Without prejudice to the provisions contained in Clause (A), the President may at any time appoint a person as the second Vice-Chairman of the Executive Committee of the Society, who shall hold office during the pleasure of the President. The Vice-Chairman shall exercise such powers and discharge such duties and responsibilities as be delegated to him by the Chairman."

S. C. SEN
Under Secy.

MINISTRY OF RAILWAYS (RAILWAY BOARD)

New Delhi, the 18th December 1998

RESOLUTION

No. 93/PL/1/11/CCEA.—In partial modification of the 'RESOLUTION' of the Government of India circulated vide letter No. 93/PL/1/11/CCEA, item No. 6 dated 7-1-97 on the composition and functions of the Expanded Board, the Principal Adviser/Planning Commission will take the place of Special Secretary, Planning Commission and will function as a member of the Expanded Board for Railways.

This Expanded Board will now have the following Composition :

Chairman

1. Chairman, Railway Board.

Members

2. Financial Commissioner (Railways).
3. All Members of the Railway Board.
4. Secretary (Expenditure), M/o Finance.
5. Secretary (Programme Implementation), Deptt. of Programme Implementation.
6. Principal Adviser (Transport), Planning Commission.

ORDER

ORDERED that order of the Resolution be published in part-I Section I of the Gazette of India for general information.

D. P. TRIPATHI
Secy.
Railway Board

New Delhi, the 9th December 1998

RESOLUTION

No. ERB-I/97/23/39.—Reference Ministry of Railways' Resolution of even number dated 3-8-98 constituting the Railway Safety Review Committee.

Item (a) of the terms of reference under para 3 of the above Resolution should be substituted to read as under :

- (a) "To review the position of accidents on the Indian Railways since the appointment of Railway Accident Inquiry Committee 1978 and to review the implementation of the recommendations of all previous Accident Inquiry Committees".

ORDER

ORDERED that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

D. P. TRIPATHI,
Secy. Railway Boards
Ex-Officio Addl. Secretary

MINISTRY OF POWER

New Delhi, the 21st December 1998

RESOLUTION

No. 11011/2/96-Hindi.—In supersession of the Ministry of Power Resolution No. 11011/5/90-Hindi dated 26-2-92 and 22-3-95, the Government of India have decided to reconstitute the Hindi Advisory Committee of the Ministry of Power as under :—

OFFICIAL MEMBERS

Chairman

Minister for Power.

Members

1. Secretary (Power).
2. Special Secretary (Power).
3. Chairman,
Central Electricity Authority,
Sewa Bhawan, R. K. Puram,
New Delhi-110066.
4. Chairman & Managing Director,
National Thermal Power Corporation Ltd.,
Core-7, Scope Complex,
Lodhi Road, New Delhi-110003.
5. Chairman & Managing Director,
Powergrid Corporation of India Ltd.,
B-9, Qutub Institutional Area,
Katwaria Sarai, New Delhi.
6. Chairman & Managing Director,
Power Finance Corporation Ltd.,
Chandralok Building,
36, Janpath, New Delhi-110001.
7. Chairman & Managing Director,
Rural Electrification Corporation,
Core-4, Scope Complex, Lodhi Road,
New Delhi-110003.
8. Chairman & Managing Director,
National Hydroelectric Power Corporation Ltd.,
NHPC Complex, Sector-33,
Faridabad-121003 (Haryana).
9. Chairman & Managing Director,
Nathpa Jhakri Power Corporation Ltd.,
Himfed Building,
Shimla-171 009.
10. Chairman & Managing Director,
Tehri Hydro Development Corporation,
A-10, Sector-1, Kribhco Bhawan,
Fourth Floor, Noida-201 301.
11. Chairman & Managing Director,
North Eastern Electric Power Corporation Ltd.,
"Brookeland", Lower New Colony,
Post Box No. 79, Shillong-793 001.
12. Chairman,
Bhakra Beas Management Board,
Sector-19 B, Madhya Marg,
Chandigarh-160 019.
13. Chairman,
Damodar Valley Corporation Ltd.,
DVC Towers, VIP Road,
Chandigarh-160 019.

Member

14. Director General,
Central Power Research Institute,
Prof. Sir C. V. Raman Road,
Rajmahal Vilas Extension,
2 Stage P.O., Post Box No. 9401,
Bangalore-560 094.
15. Director General,
National Power Training Institute,
NPTI Complex,
Sector-33, Faridabad-121 003,
(Haryana).
16. Secretary, Deptt. of Official Language.
17. Joint Secretary, Deptt. of Official Language.

Member Secretary

18. Joint Secretary (Admn.),
Ministry of Power.

NON-OFFICIAL MEMBERS

Member

19. Shri Tara Chand Sahu, M.P. (Lok Sabha).
20. Km. Vimla Verma, M.P. (Lok Sabha).
21. Shri Mohan Babu, M.P. (Rajya Sabha)
22. To be nominated by Ministry of Parliament Affairs.
23. Shri Sushil Kumar Indore, M.P. (Lok Sabha).
24. Dr. Y. Laxmi Prasad, M.P. (Rajya Sabha).
25. President, Kendriya Sachivalaya Hindi Parishad,
New Delhi.
26. President, Rashtra Bhasha Prachar Samiti (Wardha),
Maharashtra.
27. Shri Vinod Narayan Jha,
44, Sanskrat Nagar,
Sector-14, Rohini,
Delhi-110 085.
28. Dr. Madhuresh Nandan Kulshrestha,
75/70, Mansarovar,
Jaipur-302 020 (Raj.).
29. Smt. Meena Aggarwal,
D-259, Defence Colony,
New Delhi-110 024.
30. Smt. Om Tiwari,
109/31, Model House,
Lucknow (U.P.).
31. Shri R. K. Mishra,
Associate Professor,
Centre of Indian Languages,
School of Languages,
Jawahar Lal Nehru University,
New Delhi-110 067.

32. Dr. Madhav Rao Venkat,
Shakratipati,
Prof. (Hindi),
A.U. Plot No. 77, Sector-11,
D. No. 2-49-1 MVP Colony,
Vishakhapatnam-530 017.

33. Shri C. D. Tripathi,
IAS (Retd.),
Former Secretary (OL),
11, Teen Murti Lane,
New Delhi-110 011.

II. The Committee will advise the Ministry of Power and its attached & Subordinate Offices/Public Sector Undertakings/Corporation/Autonomous Bodies/Institutions/Societies/Boards under the administrative control of the Ministry on the matters relating to progressive use of Hindi for official purpose and allied issues.

III. The terms of office of the members of this Committee will be three years from the date of constitution, provided that :

- (a) A member of Parliament nominated to the Committee shall cease to be a member of this Committee as soon as he/she ceased to be a Member of Parliament.
- (b) The Ex-Officio Members of the Committee shall continue so long as they hold office by virtue of which they have gained the membership of the Committee.
- (c) The Member appointed against a vacancy caused due to the resignation, death etc., of any member shall be for the remaining period of Committee.

IV. Non-official members of the Committee will be paid Travelling Allowances and Daily Allowance in accordance with provisions contained in O.M. No. 11/20034/4/86-O.L. (A-2) date 22nd January, 1987 of Deptt. of Official Language and at the rates prescribed by the Government of India from time to time and admissible under rules for attending meetings of the Committee.

V. Headquarters of the Committee will be at New Delhi.

ORDER

Ordered that a copy of this Resolution may be sent to all Members of the Committee, all State Governments and Union Territory Administrations, Prime Minister's Office, Cabinet Secretariat, Ministry of Parliamentary Affairs, Lok Sabha Secretariat, Rajya Sabha Secretariat, President's Secretariat, Planning Commission, Comptroller and Auditor General of India and all Ministries and Departments of the Government of India.

Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

ANIL RAZDAN, Jt. Secy.
to the Govt. of India

